मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 5

BHDC–105

बी. ए. (ऑनर्स) हिन्दी (सी. बी. सी. एस.)

(बी. ए. एच. डी. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.डी.सी.-105 : छायावादोत्तर हिन्दी कविता

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **पहला** प्रश्न अनिवार्य है।*

---

1. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं **तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) एक रोष से

घन गरजे जन गरजे

क्षिति की छाती को लख जर्जर

एक शोध से

घन गरजे जन गरजे

देख नाश का ताण्डव बर्बर

एक बोध से

घन गरजे जन गरजे।

(ख) हो गया हूँ मैं नहीं पाषाण

जिसको डाल दे कोई कहीं भी

करेगा वह कभी कुछ न विरोध

करेगा वह कुछ नहीं अनुरोध

वेदना ही नहीं उसके पास

फिर उठेगा कहाँ से नि:श्वास।

(ग) स्वर्ग के सम्राट को जाकर खबर दे,

रोज ही आकाश चढ़ते जा रहे हैं वे,

रोकिये, जैसे बने इन स्वप्नवालों को,

स्वर्ग की ही ओर बढ़ते आ रहे हैं वे।

(घ) द्वीप हैं हम।

यह नहीं है शाप। यह अपनी नियति है।

हम नदी के पुत्र हैं। बैठे नदी के क्रोड़ में।

वह वृहद् भूखंड से हमको मिलाती है।

और वह भूखंड

अपना पितर है।

(ङ) निकल गली से तब हत्यारा

आया उसने नाम पुकारा

हाथ तौल कर चाकू मारा

छूटा लोहू का फव्वारा

कहा नहीं था उसने आखिर उसकी हत्या होगी

भीड़ ठेलकर लौट गया वह

मरा पड़ा है रामदास यह

देखो देखो बार–बार कह

लोग निडर उस जगह खड़े रह

लगे बुलाने उन्हें जिन्हें संशय था हत्या होगी।

2. प्रगतिवाद की अन्तर्वस्तु को स्पष्ट कीजिए। 16

3. नयी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियों को रेखांकित कीजिए। 16

4. समकालीन कविता के स्वरूप पर प्रकाश डालिए। 16

5. नागार्जुन के काव्य की प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 16

6. राष्ट्रकवि के रूप में दिनकर का मूल्यांकन कीजिए। 16

7. अज्ञेय की काव्य संवेदना का विश्लेषण कीजिए। 16

8. भवानी प्रसाद मिश्र के काव्य शिल्प का विवेचन कीजिए। 16

9. सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की काव्यगत विशेषताओं को उद्घाटित कीजिए। 16

10. केदारनाथ सिंह की काव्य परिधि पर विचार करते हुए यह निर्दिष्ट कीजिए कि वे 'उम्मीद के कवि' हैं। 16

× × × × ×